सैल के लिए ब्लूबेरी

रॉबर्ट मैक क्लोस्की

हिंदी: छाया भदौरिया

एक दिन, एक छोटी सी बच्ची सैल अपनी माँ के साथ ब्लूबेरी तोड़ने के लिए ब्लूबेरी की पहाड़ी पर गई।

ब्लूबेरी रखने के लिए सैल अपने साथ छोटी टिन की बाल्टी लेकर आई और उसकी माँ बड़ी टिन की बाल्टी लेकर आईं। उसकी माँ ने कहा, "हम अपनी सारी ब्लूबेरी तोड़कर घर ले जाएँगे और उन्हें पैक करके रख लेंगे।"

"तब हमारे पास सर्दियों के लिए भोजन होगा।"

छोटी सैल ने तीन ब्लूबेरी तोड़ी और उन्हें अपनी छोटी टिन की बाल्टी में डाल दिया...

कुपलिंक, कुप्लंक, कुप्लंक!

उसने तीन और ब्लूबेरी तोड़कर खाईं। फिर उसने कुछ और ब्लूबेरी तोड़ी और उनमें से एक को बाल्टी में डाल दिया! बाकी सब उसने खा लीं। फिर छोटी सैल ने अपनी बाल्टी से चारों ब्लूबेरी लेकर खा लीं!

उसकी माँ झाड़ियों के बीच से धीरे-धीरे ब्लूबेरी चुनती हुई जा रही थीं। चलते-चलते ही वे बेरीज को अपनी बाल्टी में डाल रही थीं।

छोटी सैल अपनी माँ के पीछे-पीछे ब्लूबेरी को चुनते हुए बड़ी मुश्किल से आ रही थी, और अपनी चुनी हुई सारी बेरीज को खाती जा रही थी। छोटी सैल तेजी से आगे बढ़ी और अपनी माँ की बाल्टी में एक ब्लूबेरी गिरा दी।

लेकिन इसमें कुपलिंक की आवाज़ नही आई। क्योंकि बाल्टी पहले से ही ब्लूबेरी से आधी भरी हुई थी। उसने अपनी बेरी वापस लेने के लिए बाल्टी के अंदर अपना हाथ डाला। हालाँकि वास्तव में उसका ऐसा इरादा नहीं था, फिर भी उसने एक बड़ी मुट्ठी भरकर बाहर निकाली, क्योंकि उसने जो ब्लूबेरी डाली थी, उसके बिल्कुल करीब बहुत सारी ब्लूबेरी थीं।

उसकी माँ ने अब ब्लूबेरी तोड़ना बंद कर दिया और कहा, “सैल, अब तुम दौड़ो और अपने खुद की बेरीज तोड़ो। माँ अपनी बेरीज घर ले जाकर अगली सर्दियों के लिए उन्हें रख देना चाहती हैं।”

उसकी माँ फिर से बेरी चुनने के लिए वापस चली गईं, लेकिन बेचारी बच्ची सैल, क्योंकि उसके पैर देर तक खड़े रहने और चलने से थक गए थे, वह झाड़ियों के एक बड़े झुरमुट के बीच में बैठ गई और ब्लूबेरी खाने लगी।

ब्लूबेरी की पहाड़ी के दूसरी ओर, एक छोटा भालू अपनी माँ के साथ ब्लूबेरी खाने के लिए आया ।

“छोटा भालू” उसने कहा, “बहुत सारी बेरी खाओ और बड़े व मोटे हो जाओ। हमें इतने लंबे और सर्दी के मौसम के लिए भोजन का भंडारण करना चाहिए।

जब छोटे भालू की माँ बेरी खाते हुए झाड़ियों के बीच से धीरे-धीरे चल रही थी, तब छोटा भालू अपनी माँ के पीछे-पीछे चल रहा था। छोटा भालू अब बेरी खाने के लिए रुक गया।

फिर अपनी माँ को पकड़ने के लिए उसे तेजी से भागना पड़ा!

भालू के पैर दौड़ते-दौड़ते इतने थक गए थे कि उसने झाड़ियों का एक बड़ा झुरमुट उठाया और वहीं बीच में बैठकर ब्लूबेरी खाने लगा।

वहीं पहाड़ी के दूसरी ओर, छोटी-सी सैल ने अपनी जगह पर बैठे-बैठे आस-पास की सारी बेरी तोड़कर खा लीं, तब फिर उसने अपनी माँ को ढूँढ़ना शुरू किया।

उसने एक पहाड़ी के आस-पास कुछ शोर सुना और सोचा, "वह मेरी माँ चल रही हैं!"

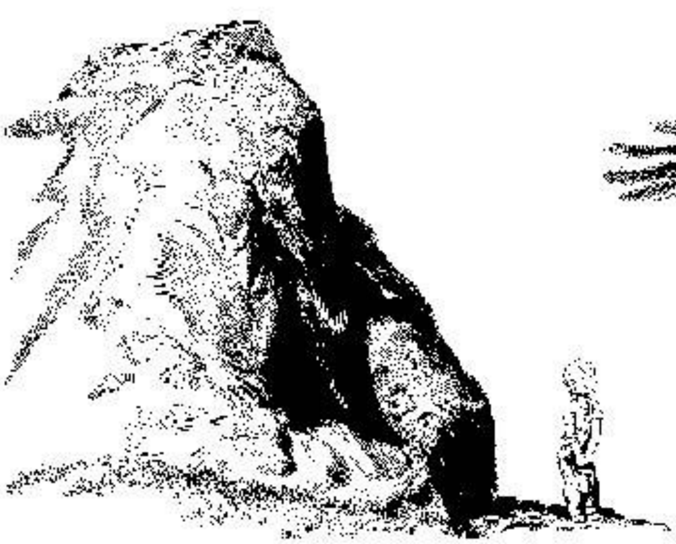

लेकिन वह एक माँ कौआ और उसके बच्चे थे। उन्होंने बेरी खाना बंद कर दिया और "काँव-काँव, काँव-काँव" करते हुए उड़ गए,

तभी उसने झाड़ियों में एक और आवाज़ सुनी और सोचा, “वह तो पक्का मेरी माँ ही हैं और मैं उसी रास्ते पर जाऊँगी।”

लेकिन यह तो सैल की माँ के बजाय छोटे भालू की माँ थीं। वह टहल रही थीं, बेरी खा रही थीं, और सर्दियों के लिए भोजन जमा करने के बारे में सोच रही थीं। छोटी सैल ठीक उसके पीछे चली जा रही थी।

लेकिन इस समय तक, छोटे भालू ने झाड़ियों के झुरमुट से निकले बिना सभी बेरी खा ली थीं। फिर वह अपनी माँ को पकड़ने के लिए दौड़ा। वह अकेला इधर से उधर अपनी माँ को ढूँढ़ रहा था लेकिन उसकी माँ कहीं भी नहीं दिख रही थीं।

उसने एक ठूँठ के ऊपर से आवाज़ सुनी और सोचा, "वह मेरी माँ चल रही हैं।"

लेकिन यह एक माँ तीतर और उसके बच्चे थे। उन्होंने बेरी खाना बंद कर दिया और जल्दी से चले गए। फिर उसने झाड़ियों में से शोर सुना और सोचा, “वह तो पक्का मेरी माँ है। मैं उस तरफ़ दौड़कर जाता हूँ!”

लेकिन यह तो छोटे भालू की माँ के बजाय सैल की माँ थीं। वह टहल रही थीं, बेरी खा रही थीं, और सर्दियों के लिए भोजन जमा करने के बारे में सोच रही थीं। छोटा भालू ठीक उसके पीछे चला जा रहा था।

छोटा भालू और छोटी सैल की माँ, छोटी सैल और छोटे भालू की माँ, ब्लूबेरी के बीच, ब्लूबेरी की पहाड़ी पर, सभी एक-दूसरे के साथ घुल-मिल गए थे।

छोटे भालू की माँ ने सैल को पीछे चलते हुए सुना और सोचा कि यह छोटा भालू है, और उसने कहा, “बेटे भालू," चबाओ, चबाओ, "जो कुछ भी तुम निगल रहे हो, उसे अच्छी तरह से चबाओ", "थोड़ी देर तक मुँह में रहने दो, फिर निगलो।” छोटी सैल ने कुछ नहीं कहा। उसने तीन बेरी तोड़ी और उन्हें अपनी छोटी टिन की बाल्टी में डाल दिया, कुपलिंक, कुप्लैंक, कुप्लंक।

छोटे भालू की माँ ने पीछे मुड़कर देखा कि कुप्लंक जैसी आवाज़ यहाँ पृथ्वी पर कहाँ से आ रही है!

"गरुम्फ!" वह बेरी से भरे हुए मुँह से रोते हुए बोली, “यह मेरा बच्चा नहीं है! मेरा बेटा भालू कहाँ है?” उसने एक बार अच्छी तरह से देखा और पीछे हट गई। (वह लोगों से बहुत शर्माती थी, यहाँ तक कि छोटी सैल जैसी बहुत छोटी लड़की से भी।) फिर वह इधर-उधर मुड़ी और अपने बेटे भालू को ढूँढ़ने के लिए बहुत तेजी से चल पड़ी।

छोटी सैल की माँ ने छोटे भालू को पीछे चलते हुए सुना और सोचा कि यह छोटी सैल है। वह अगली सर्दियों के लिए ब्लूबेरी को डिब्बाबंद करने के बारे में सोच रही थी।

छोटा भालू खड़ा हुआ और उसकी बाल्टी में झाँकने लगा।

बेशक, वह बाल्टी में से केवल कुछ ही बेरी का स्वाद चखना चाहता था, लेकिन बेरी तो पूरी बाल्टी में एक के ऊपर एक लदी हुई थीं। यह देखकर उसने गलती से अपना पूरा मुँह ही बेरी से भर लिया। "अब छोटी सैल की माँ ने बिना मुड़े हुए कहा, "अब तुम दौड़ती हुई जाओ और अपनी स्वयं की बेरी तोड़ो। माँ इन्हें अगली सर्दियों के लिए रखना चाहती हैं।"

छोटे भालू ने एक बार फिर से बेरी को चखने के लिए अपना पूरा मुँह भर लिया और बाल्टी की सारी ब्लूबेरीज़ को लगभग बाहर गिरा दिया!

छोटी सैल की माँ ने पलट कर देखा, फिर हाँफते हुए बोलीं, "हे भगवान, तुम मेरी सैल नहीं हो! कहाँ है, अरे कहाँ है मेरी बच्ची?"

छोटा भालू बस चुपचाप बैठ गया। वह बेरी को बस चबा रहा था, उसे निगल रहा था और फिर अपने होंठ चाटा रहा था।

छोटी सैल की माँ धीरे-धीरे पीछे हट गईं। (उसे भालू के सामने बहुत शर्म महसूस हो रही थी, यहाँ तक कि बहुत छोटे भालू से भी।) फिर वह मुड़ी और अपनी छोटी सैल को देखने के लिए तेजी से चली गई।

वह बहुत आगे तक नहीं पहुँच पाई थी कि उसने एक कुपलिंक! कुप्लैंक! कुप्लंक! जैसी आवाज़ सुनी।

और वह इस आवाज़ को पहचान गई!

छोटे भालू की माँ ने भी उसे बहुत लंबे समय तक नहीं ढूँढ़ा बल्कि इससे पहले ही एक तेज़ आवाज़ सुनी, जो अब बंद हो गई थी और फिर उसे चबाने और निगलने की आवाज़ सुनाई दी। वह जानती थी कि इस तरह की आवाज़ किस वजह से आई।

छोटा भालू और उसकी माँ ब्लूबेरी की पहाड़ी के एक तरफ़ अपने घर चले गए। वे रास्ते भर ब्लूबेरी खाते रहे और उन्होंने अगली सर्दियों के लिए भी भोजन जमा कर रखा था।

और छोटी सैल और उसकी माँ ब्लूबेरी पहाड़ी के दूसरी ओर चले गए। रास्ते भर बेरी तोड़ते रहे और अगली सर्दियों के लिए भी पर्याप्त भोजन – एक पूरी बाल्टी ब्लूबेरी और इसके अलावा तीन और जमा करके घर ले गए।

अंत